Tribal Empowerment Project

Manipur

Site Visit Report: 3-5 October 2013

आशा मणिपुर द्वारा संचालित ट्राइबल इम्पावरमेंट प्रोजेक्ट की विजिट के लिये मैं और बीजू 3 अक्टूबर 2013 को इम्फाल पहुंचे,

इम्फाल से लिटान की दूरी 46 किलोमीटर है, लिटान मणिपुर के पूर्वी सीमा पर म्यांमार से लगे जिले उखरूल की एक बस्ती है. स्थानीय एक सामाजिक संस्था के सचिव श्री इरै चो की गाडी से हम लिटान पहुचे. लिटान से सटे गांव मे विद्यालय संचालित हो रहा है जब हम पहुचे तो दिन के बारह बजने वाले थे, कार्या लय से ही बच्चों की आवाजें सुनाई दे रहीं थी.

कार्यालय में समन्वयक प्रिम रोज और उनकी मां श्रीमती एस. पी. थनमिला जिन्होने विद्यालय के लिये अपनी भूमि उपलब्ध कराई है से मुलाकात करके हम उस तरफ चले जहां से बच्चों की आवाजें आ रही थीं.

विद्यालय से लगे हुये जंगल जैसे रास्ते पर चढते उतरते लगभग 400 मीटर दूरी पर एक मैदान में पहुंचे यहां सभी बच्चे अपने अध्यापकों के साथ दौड़, फुटबॉल, कूद आदि खेलों में व्यस्त थे.हमने 2 घंटे बच्चों के साथ खेल कूद में बिताये.वैसे तो हमे स्थानीय भाषा नहीं आती थी किन्तु बड़े बच्चे अंग्रेजी में बात कर पा रहे थे.उनसे बातचीत में पता चला कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 7 से 10 अक्टूबर तक यहां वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होना है जिसकी तैयारी हो रही है.बच्चों ने बताया कि स्पोर्ट्स की तैयारी के कारण हम आज सामान्य ड्रेस में आये हैं कल यूनिफार्म में आना है.

इसके बाद हम बच्चों के साथ ही विद्यालय में आ गये, जहां बच्चों ने संध्याकालीन वन्दना की इस दौरान बच्चों को हमने टॉफी वितरित की जो हम साथ लेकर आये थे. प्रिम रोज ने बच्चों और अध्यापकों से हमारा परिचय कराया. हमने "आशा" का इतिहास एवं उद्देश्य के बारे सभी को बताया, इस दौरान बच्चों ने काफी रूचि लेकर जानकारी प्राप्त की.

संध्या वन्दना के बाद सारे बच्चे कार्यालय के पास जमा हुये, प्रिम रोज के घर का एक हिस्सा रसोई के लिये प्रयोग किया जाता है, यहां सभी ने चाय और टोस्ट खाया और घर चले गये.

सायं काल विद्यालय के 2 शिक्षक, रोज, धनमिला जी के साथ बैठ कर हमने विद्यालय संचालन, व्यवस्था, असुविधा भविष्य की योजनाओं के बारे में बातचीत की.

अगले दिन सुबह 8.30 बजे से ही बच्चों का स्कूल पहुचना प्रारम्भ हो गया, रात से ही रूक रूक कर लगातार बारिश हो रही थी इसके बावजूद बच्चों की उपस्थिति अच्छी थी. कुछ बच्चे तो बुरी तरह भीग गये थे. अत्यधिक फिसलन के कारण बच्चे गिर जा रहे थे.आज बच्चे विद्यालय के परिधान में आये थे.

प्रातःकालीन वन्दना के समय ही बच्चों नें बड़े ही व्यवस्थित तरीके से शारीरिक व्यायाम किया और अपनी कक्षाओं में चले गये.हमने प्रत्येक कक्षा में जाकर बच्चों से बातचीत की और उनके कक्षा से सम्बधित प्रश्न किया. भाषा, सामान्य ज्ञान और गणित के प्रश्नों का उत्तर बच्चों ने बड़ी ही सहजता से दिया.एक बात बड़ी प्रभावित करने वाली थी कि एक दम से अपरिचित और अलग भाषा वाले आगन्तुकों से बच्चे बिल्कुल भी संकोच नहीं कर रहे थे.हमारी शिक्षकों और प्रधानाध्यापक से भी काफी वार्ता हुयी, हमने विद्याालय के अभिलेखों का भी अवलोकन किया. पता चला कि शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त आपसी खेलकूद और अन्य गतिविधियों के लिये बच्चों को 4 हाउस में बांटा गया है जिनका नाम क्रमशः बीजू, अनिता, राज और जगदीश है .

कक्षा 4 के बच्चे हिन्दी पढना और लिखना जानते थे किन्तु बोलने में असुविधा हो रही थी अंग्रेजी का ज्ञान ठीक था. बड़े बच्चों समझने और बोलने में दिक्कत नहीं हो रही थी.

अध्यापकों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती और गणतंत्रदिवस के आयोजन में अभिभावक विद्यालय पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होते हैं साथ ही समय समय पर भी विद्यालय के सम्पर्क रहते हैं.

3-4 घन्टे विद्यालय में बिताने के बाद हम कार्यालय में आ गये जहां स्थानीय प्रबन्धकीय समिति के सदस्यों के साथ बैठक हुयी, चेयरमैन श्री सीकाम खागसेरी ने विद्यालय तक पहुच मार्ग पर कंक्रीट पड़ने की आवश्यकता बताई.विद्यालय की प्रगति से सभी संतुष्ट थे. मेरे पूछने पर उन्होने बताया कि यह व्यक्तिगत भूमि

होने के कारण मनरेगा से इस पर रास्ते का निर्माण नहीं हो पाता, स्थानीय जनप्रतिनिधि भी निष्कृय ही हैं.

इस विद्यालय में मूलतः नागा तान्गखुल, कुकी, नेपाली और मैतेयी समाज के बच्चे आते हैं, यहां लगभग 2 से 3 किलोमीटर की दूरी तक से बच्चे आते हैं, अधिकांश लोगों की आजीविका जंगल पर आधारित है, कुछ की बाजार में दुकाने हैं, सामान्यतया प्रति परिवार बच्चों की संख्या 6 से 8 तक है. विद्यालय का समय 9.30 से 2.30 तक है इसके बाद 30 मिनट का भोजन का समय है. आज बच्चों के लिये दाल चावल चटनी और पकौडा बना था, बच्चों ने कतारबद्ध होकर भोजन प्राप्त किया, भोजन बनाने के लिये स्थानीय अभिभावकों मे से 3-4 लागों का सहयोग मिलता है, केवल एक रसोइया को मानदेय दिया जाता है, भोजन कराने की व्यवस्था मे सभी शिक्षक सहयोग करते हैं. मागदर्शन एवं व्यवस्था रोज की माताजी ही करती हैं.

हमारी विजिट के दौरान रूक रूक कर बारिश होती ही रही, 5 अक्टूबर को सुबह हमारी इम्फाल वापसी से पहले फिर कुछ बच्चों से मुलाकात हुयी, हमने स्कूल में जाकर बच्चों और शिक्षकों से विदा ली उन्होने पुनः आने का अनुरोध किया.....

हमारे इस विद्यालय पर आने से पूर्व हमे कुछ बिन्दुओं पर विशेषकर जानकारी लेने के लिये सुझाव दिया गया था. हमने वे जानकारियां प्राप्त करने की कोशिश की, बिन्दुवार जानकारी निम्न हैः

1. No of Students:

According to enrollment register of each class:

S. No	Class	Girls	Boys	Total	Name of Class Teacher
1	Nursery	20	31	51	Miss Vajhathung
2	KG	18	30	48	Miss Verinica
3	1	19	19	38	Mr Yurthing
4	2	18	17	35	Mr Ranbir
5	3	17	19	36	Mr Mangboi Baitei
6	4	23	13	36	Mr Mingmathang Baitei
7	5	26	14	40	Mr Priyo Singh
8	6	26	9	35	Mr Hangmila
9	7	15	11	26	Mr Powmang
Total		182	163	345	

2. Number of Student who earned spot in Jawaharlal Nehru Navodaya school, Ukhrul District:

2008:7

2009: 6

2010: 8

2011: 11

2012: 10

2013: 11

Total: 53

(List of selected students is attached)

3. Attendance of students in school: According to student attendance register available at school more than 75 percent student have good attendance like more than 80 percent.
4. In charge: Mrs S. P Thungmila(Mother of Prim Rose) in the coordinator of school and look after all activities including Mid Day Meal. Prim Rose is also a full time volunteer. Principal of School Mr Ajeet is a very good administrator. The main contact person is Prim Rose.
5. Regarding Local Support: I discussed on this issue, The local politicians never shows interest in this type of activities. The Army personal provides Medicine, Water, some time snacks to children. Earlier they provide a computer. We suggested contacting local MP and MLA with a written demand of construction of approach road to the school with their development fund.
6. Fund of this project is being routed Though Asha Darshan, They send Money in personal account and projects provides all accounts at AD, audit is being done by AD.
7. List of Teachers and staff:

S.No	Name	Post	Qualification	Teaching Experience	Current Honorarium
1	Mr. Ajeet	Principal	M.A.	20 Yrs	5000
2	Mr. Ranbir	Teacher	B.A.	11 Yrs	2600
3	Ms. Hangmila	Teacher	B.A.	12 Yrs	3000
4	Mr. Manbai Baite	Teacher	B.A.	5 Yrs	3000
5	Mr.Yurthing	Teacher	10+2	4 Yrs	2200
6	Mr. Priyo	Teacher	B.Sc.	6 Yrs	4000
7	Mr. Minthang Baite	Teacher	B.Sc.	2 Yrs	4000
8	Ms.Vahjathing	Teacher	10+2	1 Yr	2000
9	Ms. Veronica	Teacher	B.A.	9Yrs	2400
10	Mr.Pawmong	Teacher	B.A	5 Yrs	2500
11	Prim Rose	Coordinator			
12	S.P. Thungmila	Co-Coordinator			2000
13	Somathan	Chowkidar			1500

8. Teachers don't have any special teacher's training; they need training especially for teaching skill for language and math. They got teachers training with a project named World Vision in 2011.
9. Teaching aid, study material, helping books, library, scientific tools urgently needed to improve quality.
10. Students are very active and fell free to ask questions.
11. Teachers are friendly and very cooperative with students.
12. There is a 10th level school at Leton, some other school are at Ukhrul district head quarter which is 30 kilometers. After passing 7th standard from this school some students (boys only) continue their studies in these schools. Some alumni selected in army, Manipur police some are working in private companies. Lot of girls is now doing work in beauty parlors and show room at big cities.
13. There no any library in school, they have about 250 books given by Christian missionary.
14. Sports materials are available at school, they have volleyball, football.
15. An Interschool sports event organized by school every year, some schools participates in this event … Here is the list of 4 days sports events (7th Oct-10 Oct 13)
    1. Volleyball (Boys and Girls)
    2. Football (Boys and Girls)
    3. 100 M Race (Boys and Girls)
    4. 200 M Race (Boys and Girls)
    5. 800 M Race (Boys)
    6. Kabaddi (Boys and Girls)
    7. Spoon (Boys and Girls)
    8. Mathematics race (Boys and Girls)
    9. Relay Race(Boys and Girls)
    10. 3 leg race (Boys and Girls)
    11. Sack Race (Boys and Girls)
    12. Paise Picking Race (Boys and Girls)
    13. Blind Heat (Boys and Girls)
    14. High Jump (Boys and Girls)
    15. Long Jump (Boys and Girls)
    16. Tough of war (Boys and Girls)
    17. Cock fighting (Boys and Girls)
    18. Needle Race (Boys and Girls)

Some prizes, shields will be given to all winners in each event.

16. Infrastructure: School is in 3 blocks at 3 levels due to hilly area. Surrounded by dense forest, approach way is full with bushes both side. In rainy season it is very slippery. One room constructed near school attached to the Prim Rose house. This room is being used for office, meeting room, computer, coordination work and also for guest room. School campus is very neat and clean. The building needs annual maintenance as it is made up of mud and bamboos. 80 % furniture is in good condition.

17. Round the clock fresh water supply is available in school premises; one storage tank is also available.
18. Toilet facilities are available to students, staff and visiting members.
19. There is no gravels on path, we came to know that ealier there was no approach passage, but with the help of fund provided by Asha now it is 8 feet wide passage available up school, it strongly need gravels.
20. There is sufficient place for students in each class, not very much crowded.
21. Mid Day Meal: As we saw during our visit it is very delicious, sufficient and up to standard. Cooked in very clean atmosphere.
22. Other Events: Teachers day, Independence day, Republic day, Gandhi Jayanti celebrated in school. Some lectures, cultural activities will be done, parent too participate.
23. Generator: There is a small petrol operated generator, due to high consumption of fuel (1.5 l/hr), it is almost unused, but is in good condition.
24. Computer: There are 2 computers in office. Out of which one is provided by Army office. But computer are non functional since 1 year. It is tough to repair this because no facility is available here unless it is carried up to Imphal. Earlier they were using computer for making question papers. We think laptop can be used for some education activities with students. It will be easy to carry.
25. Electricity and Internet Connectivity: There is only 3-4 hrs electric supply in alternate day available here and no internet connectivity. That's why connectivity and regular reporting is very tough from here. TV and Radio is the way of communication. But in school there is no TV.

Overall comment and suggestions:

1. The project is running good and doing it's effort sincerely and honestly
2. Teachers training is needed to improve teaching skills of teachers.
3. Approach passage to the school is needed.
4. Use of Computer, TV with students to make them familiars with these, is necessary. Solar light panel can be tried as alternate of electric supply.
5. Exposure visit of students of class 6 onward at least up to Imphal is needed to make them aware.
6. Umbrella can be provided to students before rainy season.
7. Facilities like Library, scientific good, teaching learning goods can be managed.

Vallabh (Asha Varanasi) (ashakashi@gmail.com) with
Biju Borebaruah (Asha Darshan) (bborbaruah@gmail.com)